आयोजन | भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान इंदौर का औपचारिक दीक्षा समारोह आयोजित

विद्यार्थी खुद की क्षमता पर विश्वास रखें, ज्ञान को बढ़ाते रहें

इंदौर (नईदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) इंदौर में बुधवार को औपचारिक दीक्षा समारोह आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि द नेशनल एकेडमी आफ साइंसेस के प्रोफेसर और आइआइटी खड़गपुर के पूर्व निदेशक प्रोफेसर अमिताभ घोष थे। संस्थान के कंप्यूटर विज्ञान एवं इंजीनियरिंग के सप्तर्षि घोष को सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए राष्ट्रपति स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। आइआइटी इंदौर के बोर्ड आफ गवर्नर्स के अध्यक्ष प्रो. दीपक बी. पाठक और आइआइटी इंदौर के निदेशक प्रो. सुहास एस. जोशी भी मौजूद थे।

आइआइटी इंदौर के दीक्षा समारोह में उपाधि प्राप्त करते विद्यार्थी। • सौ. संस्थान

प्रो. जोशी ने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिन विद्यार्थियों ने अपने अल्मा मेटर से जो प्रशिक्षण प्राप्त किया है, वह व्यवसाय में सर्वश्रेष्ठ बनाने में मदद करेगा। विद्यार्थी खुद की क्षमता पर विश्वास बनाए रखें। इससे आगे का रास्ता बनाने में मदद मिलेगी। विद्यार्थियों को हमेशा अपने ज्ञान की सीमा का विस्तार करते रहना चाहिए। इसे मानवजाति की अच्छी सेवा के लिए उपयोग में लाना चाहिए। प्रो. पाठक ने कहा कि यह डिजिटल शताब्दी चीजों को काफी हद तक बदलने जा रही है। इससे यह सीख मिलती है कि हमें अपने क्षेत्र में प्रासंगिक बने रहने के लिए हमेशा कुछ न कुछ सीखते रहने की जरूरत है। कार्यक्रम में 170 विद्यार्थी मौजूद थे, जिसमें बीटेक के 233, एमटेक के 57, एमएस रिसर्च के छह, पीएचडी के 58 विद्यार्थी शामिल थे। कुल 412 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई।

इन विद्यार्थियों को किया सम्मानित

कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग की अरुशी जैन, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की खुशबू आहूजा, मैकेनिकल इंजीनियरिंग के अगम गुप्ता, सिविल इंजीनियरिंग के शैले गुप्ता, मेटलर्जी इंजीनियरिंग और मटेरियल्स साइंस के आशुतोष गुप्ता सभी स्नातक विद्यार्थियों के बीच सर्वश्रेष्ठ अकादमिक प्रदर्शन के लिए चुने गए। एमटेक के मनीष बडोले और एमएससी कोर्स की आंचल सक्सेना ने भी रजत पदक प्राप्त किया।

सच्ची खुशी तब मिलती है, जब बनते हैं मददगार : प्रो. अमिताभ ने कहा कि सच्ची खुशी तब मिलेगी, जब आप उन लोगों के लिए मददगार बन गए हैं जो आपके परिवार या दोस्त के अलावा हैं।